PAPER-VI, UNIT-2
Trends of Population Growth

मानव संसाधन की उत्कृष्ट क्षमता ही विकास के द्वार की प्रथम पूँजी है। विश्व में सभी भूगोलवेताओं अर्थशास्त्री एवं समाज विज्ञानवेत्ता मानव को उत्कृष्ट संसाधन स्वीकारते हैं। इस आधार पर मानव शक्ति को शक्ति संसाधन के रूप में स्वीकारा जाता है। किसी देश की औद्योगिक एवं व्यापारिक उन्नति तथा सर्वांगीण विकास वहाँ के जनसंख्या की कार्य क्षमता पर निर्भर करती है।

भारत का क्षेत्रफल (32.8 लाख वर्ग किलोमीटर) विश्व के कुल क्षेत्रफल का 2.4 % है। जहाँ विश्व की 16% जनसंख्या निवास करती है।

- विश्व के कुल क्षेत्रफल का 2.4 % = भारत का क्षेत्रफल
- विश्व के कुल जनसंख्या का 16% = भारत की जनसंख्या
- 50 + द० अमेरिका के जनसंख्या = " "
- अफ्रिका की " "X2 = " "
- आस्ट्रेलिया की " " X 4.4 = " "
- रूस की " " X 2.5 = " "
- ब्रिटेन की " " X 7 = " "

जनसंख्या की दृष्टिकोण से विश्व में भारत का स्थान दूसरा एवं क्षेत्रफल की दृष्टि से

सातवा है। 2001 के जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 102.7 करोड़ थी। 2011 के जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 1.21 करोड़ थी। विश्व की जनसंख्या की दृष्टि से चीन का स्थान सर्वोत्तम है।

जनसंख्या वृद्धि :- मैडिसन के अनुसार 16 वी शताब्दी में भारत की जनसंख्या 10 करोड़ थी। प्रति जनसंख्या वृद्धि की गति बहुत मंद थी। लेकिन 20 वी शताब्दी के प्रारंभ में अर्थात स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हुई। जनसंख्या वृद्धि की स्थिति निम्नलिखित है।

शतकीय वृद्धि :-

ई०	जनसंख्या (करोड़ों में)
1600	10 करोड़
1700	12 "
1800	13 "
1900	23 "
2000	102 "
2100	.....

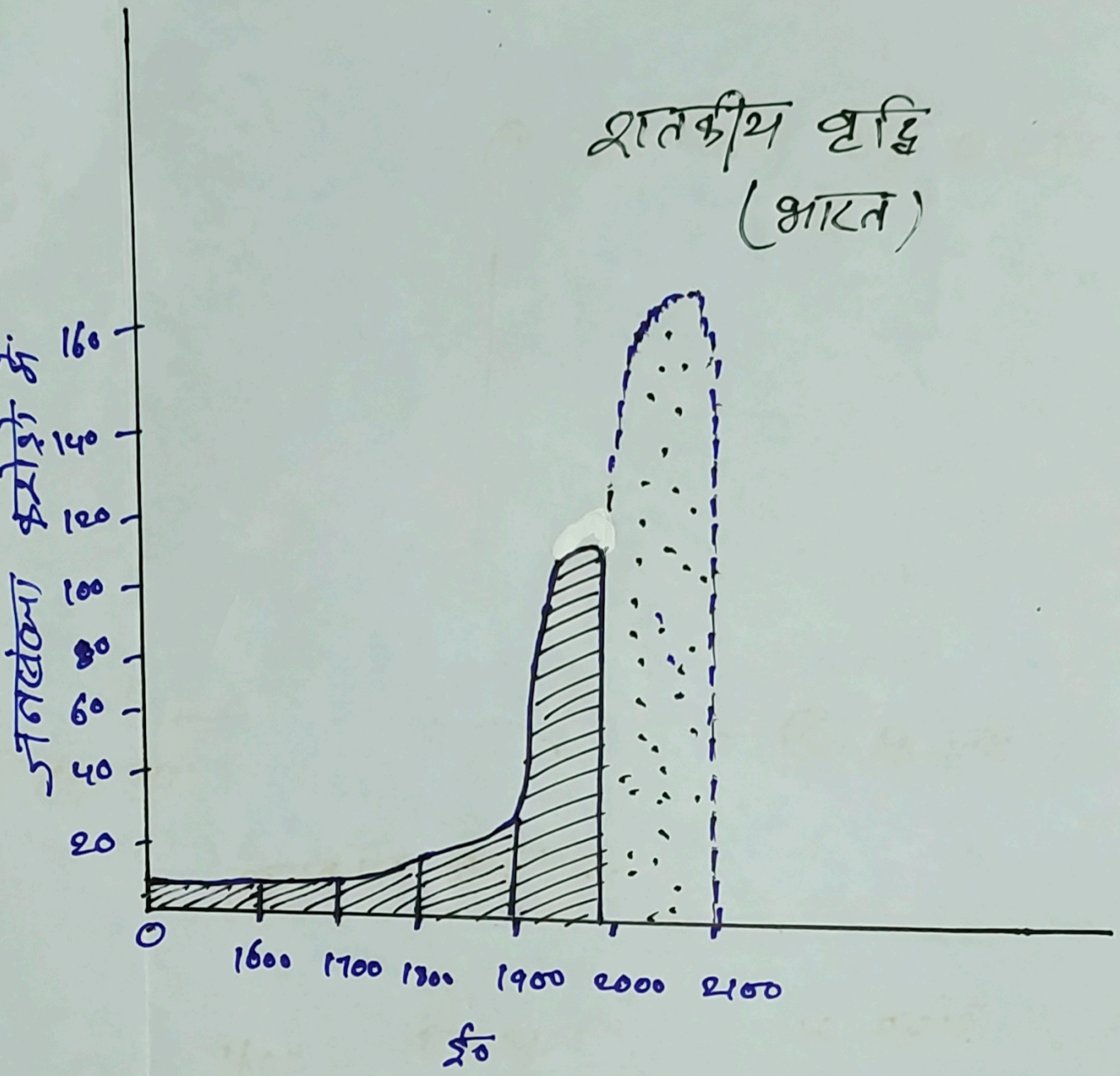

भारत की जनसंख्या वृद्धि गति संबंधी सांख्यिकी के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि प्रारंभ जनसंख्या की गति धीमी थी। बाद में चलकर यह तीव्र हो गई। 1872 में भारत में सबसे पहले जनगणना की गई और 1881 में इसकी। इसके पश्चात प्रति 10 वर्ष पर जनगणना की जाती है। जनगणना के रिपोर्ट के अध्ययन के आधार पर भारत की जनसंख्या वृद्धि चार युगों में बाँटा जा सकता है।

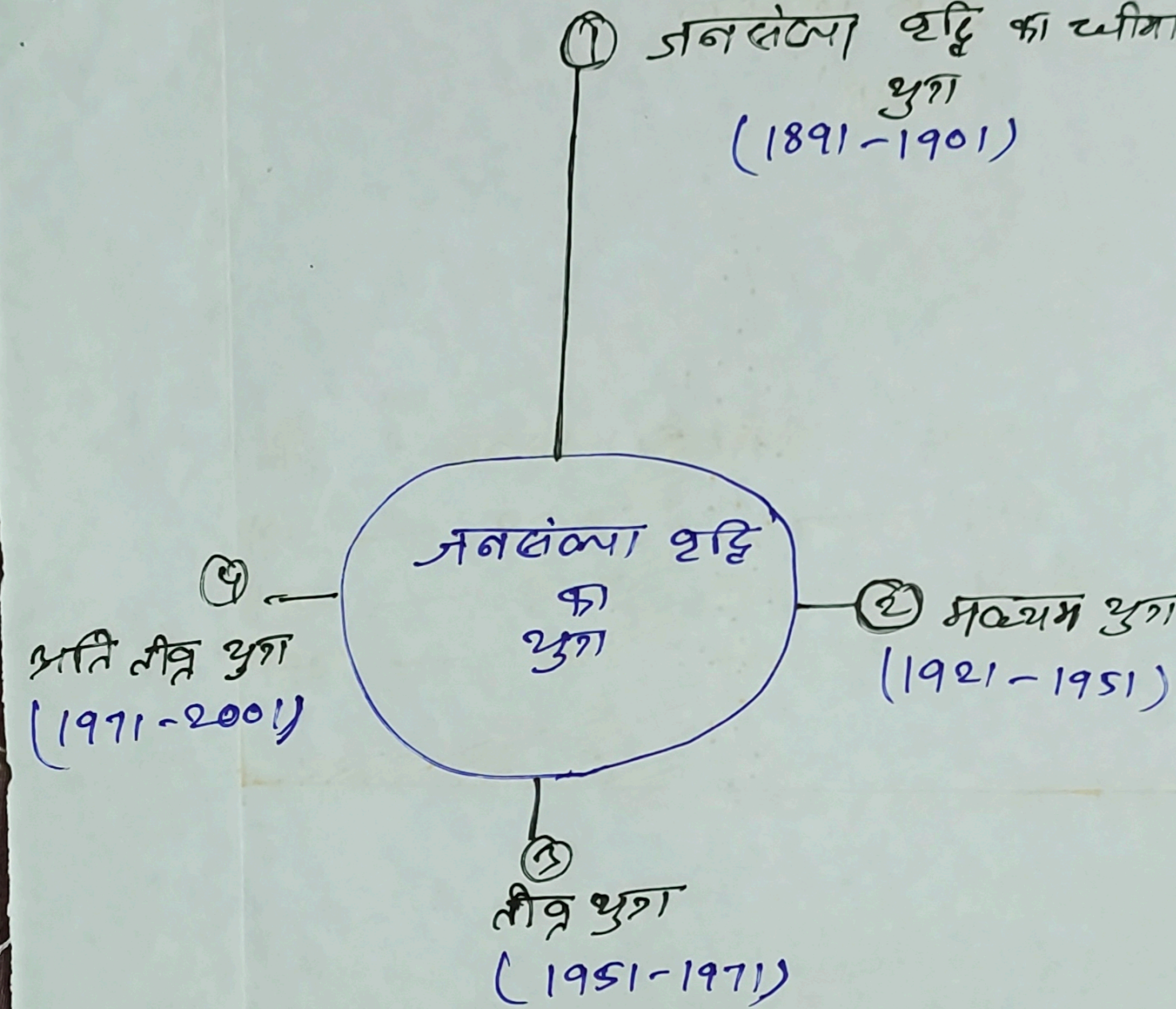

① जनसंख्या वृद्धि का धीमा युग (1891-1901)

ई०	जनसंख्या (करोड़ो में)	वृद्धि दर (%)
1901	23.6	———
1911	25.2	5.75
1941	26.00	(-0.31)

कारण !- 19 वीं शताब्दी के अंतिम दशक मे विभिन्न बिमारीयों के फैलने एवं दुष्काड़ की स्थिति के कारण जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी रही।

② जनसंख्या वृद्धि का मध्यम युग :-
(1921-1951)

ई०	जनसंख्या करोड़ो मे	वृद्धि (%)
1931	27.8	11.11
1941	31.8	12.22
1951	36.1	13.31

कारण :- इसके मध्य राजनीतिक अस्थिरता के साथ-साथ औद्योगिक और व्यापारिक कार्यों मे विकास न होने के कारण जनसंख्या वृद्धि दर मध्यम रही।

③ जनसंख्या वृद्धि का तीव्र युग !-
(1951 - 1971)

1951 - 1971 के मध्य अर्थात् इन 20 वर्षो मे भारत की जनसंख्या 36 करोड़ से बढ़कर 54.8 करोड़ हो गयी।

1951 - 1961 — 7.8 करोड़

1961 - 1971 — 54.8 करोड़

दोनों दशकों मे 18.6 करोड़ की वृद्धि अंकित की गई।

(4) जनसंख्या वृद्धि का अतितीव्र युग :- (1971-2001)

1971 - 2001 अर्थात् 30 वर्षों मे देश की जनसंख्या 54 करोड़ से बढ़कर 102.7 करोड़ हो गयी, जो 1971 की जनसंख्या के लगभग दुगुनी है।

:0:

Dr. Mukul Kumar